



Agarwal Club
Pune
June 2020

President
Rupesh Gupta

Secretary
Rajesh Gupta

Treasurer
Ajay S Padia

Editor's Message...

भूल गए थे घर की चार दीवारों को
घर के कोनों को और
कोनों में पड़े सामानों को
भूल गए थे कैसा होता है
घरवालों के साथ बैठना बतियाना
मिलकर पकाना, साथ साथ खाना
बच्चों के साथ खेलना और खेलखिलाना
भूल गए थे खुद के साथ वक्त बिताना

चलो बिन माँगे बिन सोचे ही सही
फुरसत के ये लम्हे मिले तो सही
इसी बहाने भूले बिसरे शौक उभर आए
बंद पड़े डब्बों में से
रंग और ब्रश बाहर निकल आए
कहीं लूडो, तंबोला, ताश की महफ़िल
तो कहीं online games ने रंग जमाए

धीरे धीरे सब पहले जैसा हो जाएगा
सब फिर से अपनी पुरानी ज़िंदगी में लौट जाएँगे
उसी आपा धापी, उसी भाग दौड़ में खो जाएँगे
पर घर में घरवालों के साथ बिताए ये दिन
मानो या ना मानो,
बहुत याद आएँगे, बहुत याद आएँगे ॥

- Puja Jindal

Lockdown Special

Three months of almost complete lockdown - never seen, never done, never heard of before. It was a very strange feeling in the beginning - fear, uncertainty, unpredictability, restlessness...but slowly we all got used to it.

We learnt to manage without house helps, we adapted to work from home and study from home methods, we took to minimising our needs and in fact we started sort of enjoying this routine. It felt like we had time to learn new skills, and we wanted to try our hands at different things. We got to spend time with family, play games, cook and eat together, sing and dance together and so much more...

These are the moments and memories that we have tried to preserve in this "Lockdown Special" edition of Uday. We thank you all for your amazing response in sending us your pictures and experiences!

In continuation of our endeavour of getting to know the new members of our club, this issue introduces Pradeep Saraogi and Punit Tulsyan.

We also plan to revive the memories of golden old days of our club through some pictures and write ups from our Past Presidents. We are proud and honoured to start this series with none other than the first President and one of the founding members of our Club - Shri Ashok Ji Singhal.

Wishing you all a safe, active and happy
"Begin Again" after the lockdown

- Puja Jindal



कुछ यादें... कुछ बातें...

विस्तृत परिवार की कल्पना का लक्ष्य सम्मुख रख स्थापित 'अग्रवाल क्लब' अपनी प्रगति यात्रा के ३० वर्ष पूरे कर रहा है। विश्व भर में लाखों करोड़ों संगठन बनते हैं बिगड़ते हैं, भ्रूण अवस्था से बाल्यावस्था में ही समाप्त भी हो जाते हैं। पर ३० वर्षों तक अनवरत नित नूतनता और उत्साह से यदि हमारा क्लब आगे बढ़ रहा है तो यह निश्चित ही एक अनूठा उदाहरण है।

मुझे खुशी है कि हमने इस क्लब की स्थापना के समय दो महत्वपूर्ण नीति सम्मत सिद्धांत - पहला, क्लब कभी भी अपनी निजी सम्पत्ति का प्रयास नहीं करेगा तथा दूसरा, प्रत्येक अध्यक्ष का कार्यकाल केवल १ वर्ष का रहेगा - अपने सम्मुख रखे जिसकी वजह से यह संगठन निरंतर मज़बूती पकड़ता रहा। हमें हर वर्ष कुछ विशिष्ट करना है, इस भाव से संपूर्ण परिवार का आकर्षण जोश और आनंद के साथ हर कार्यक्रम के आयोजन में बना रहा।

क्लब की एक और विशिष्टता है - वरिष्ठ जनो का अत्यधिक आदर व सम्मान एवं युवा व बच्चों को असाधारण स्नेह। यह एक जीवंत संगठन की पहचान है। मेरी मान्यता है कि हर समस्या के समाधान हेतु, उदास चेहरे पर मुस्कान लाने हेतु, अभाव ग्रस्त जीवन की निराशा को आशा में बदलने हेतु सर्वोत्तम उपाय है 'संवाद' और उसी संवाद का एक सशक्त माध्यम है 'उदय'। अतः हमें संवाद के महत्त्व को जीवन के हर पल पर समझना होगा और इस की दिशा में संवाद जैसी अद्भुत शैली को अपनाना होगा। 'उदय' को मात्र आपके आर्शीवाद की ही नहीं, वरन इसकी तेजस्विता को बनाए रखने के लिए उसमें सहभागी बनने की भी आवश्यकता है।

श्री विजय अग्रवाल ने २००४-२००५ के कार्यकाल में 'उदय' शुरू करने का संकल्प किया और मुझे इसके संपादन का कार्य सौंपा। सीमित साधनों व प्रारंभिक अवस्था के कारण इसका प्रकाशन ब्लैक - व्हाइट में ही होता था। कालांतर में इसका अद्भुत विकास हुआ और वर्तमान में तो इसका स्तर अपने चरमोत्कर्ष पर है। जबसे 'उदय' के संपादन की जिम्मेदारी महिलाओं पर आई है, इसके स्तर में निरंतर निखार आया है।

मुझे विश्वास है कि 'उदय' संवाद के संवहन के अपने अभीष्ट लक्ष्य के अनुरूप अवश्य काम करेगा।

शुभकामनाओं सहित

- अशोक सिंघल





वरदान

‘प्रभो ! विपत्तियों से रक्षा करो’ -

यह प्रार्थना लेकर मैं तेरे द्वार पर नहीं आया,
विपत्तियों से भयभीत न होऊँ - यही वरदान दे !

अपने दुःख से व्यथित चित्त को सान्त्वना
देने की भिक्षा नहीं मांगता
दुःखों पर विजय पाऊँ, यही आशीर्वाद दे -
यही प्रार्थना है !

तेरी सहायता मुझे मिल सके तो भी यह वर दे कि
मैं दीनता स्वीकार करके अवश न बूँ !
संसार के अनिष्ट - अनर्थ और छल-
कपट ही मेरे भाग में आये है ।

तो भी मेरा अन्तर इन प्रतारणाओं
के प्रभाव से क्षीण न हुआ !
‘मुझे बचा ले’ यह प्रार्थना लेकर मैं तेरे दर पर नहीं आया,
केवल संकट- सागर में तैरते रहने की शक्ति मांगता हूँ ।
‘मेरा भार हल्का कर दे’
यह याचना पूर्ण होने की सान्त्वना नहीं चाहता,
यह भार वहन करके चलता रहूँ - यही प्रार्थना है !
सुख भरे क्षणों में नतमस्तक हो तेरे दर्शन कर सकूँ ।
किन्तु, दुःख -भरी रातों में
जब सारी दुनिया मेरा उपहास करेगी,
तब मैं शंकित न होऊँ - यही वरदान चाहता हूँ ।
(गीतांजलि- रवींद्रनाथ टैगोर)

The first two
editions of Uday!
They evoke instant
nostalgia, don't they?
And this poem by
Rabindranath Tagore is
so relevant even today...

Girish & Manisha Khetan



Manisha, my dearest wife, went to Singapore as it was the first Gangaur of my newly wed daughter - Rachita. Before she could return, international flights were banned, and here starts my Lockdown Story. I was also stuck in my Junnar factory, with my parents and daughter Shreya in Pune. I came back to Pune on 6th April due to medical emergency of my mother.

Our factory manufactures nylon fishnet twines, and was completely shut with no option of 'work-from-home'. With Manisha away, and factory closed, I decided to take the role of a dedicated House-Husband, but with no house help. Shreya, Mummy and Papa did their best in helping, but still, the experience for me was honestly exhausting.

I learnt cooking under my mother's guidance and now am capable of making all of the basic dishes. It was great fun and I feel liberated.

During the lockdown, I completed a few online self development courses, learnt accountancy from Kunj, attended Meditation sessions, Business 360 by Manish Gupta, Neurolinguistic Programming, Daily Night Meditation, and also Inner Engineering Course by Sadguru. I also managed to lose 4 kgs of weight.

A little relief came when our house help, Anita Mausi, resumed her duties. Now I can go back to Junnar and will try to restart the factory as soon as possible. It was tough, but we had a good family time, and created memories for life.

Learning to live life with COVID-19

- Girish Khetan



Home grown peru at
Neena Naredi's garden



Ajay
Dalmia
making
mangodi
with
daughter
Avishi



Sanjay & Hema Agarwal
celebrating mom's birthday



Shroff Family
playing Tambola



जो बीवी से करते प्यार,
वो काम में बँटाते हाथ
Shyamji and Saroj Goyal

Satish & Sunita Nevatia



बाल बाल बच गए,
बड़े मियां जँच गये



पनवा बनावत सजना
पनवा खावत सजनी
Lockdown को
मारो गोली
घर पे है ना पान की
दुकान अपनी

Jitesh & Bineeta Patodia



Celebrations,
Games
and
Reversal of
Roles





The most wonderful activity that kept me going during lockdown was the birth of my wonderful grand daughter "Radhya " on 10th June It was a very busy time without maids and jappabai - Khud hi massage karna...khud hi nehlana



New born...Pleasure unlimited
Happy grand parents
- Pawan and Anju Saraf

Kusum Jalan



The forgotten art of crochet, stonework and beautiful African doll made of paper





Shivangi Kanchal on gardening and cooking spree with awesome pot painting



Ajay & Sonia Agarwal

बाल थोड़े ना
lockdown देख
कर बढ़ते हैं ...
तो घर पर ही
salon खोल
लिया
काटो भी और
कटवाओ भी !

Beautiful doll house made from mango box by Uma Agarwal with grand daughter - Anaira



Vijay &
Nirmala Mittal

बहुत याद आते है वो दिन
मिट्टी से घर बनाना
बारिश में भीगना और
पानी में नाव चलाना
बहुत याद आते हैं वो दिन

खेल खेल में रेल बनाना
व इंजन के लिए लड़ना
सायकिल चलाने के लिए
सामान लाने का बहाना
पड़ोसियों का चाचा, मामा
बूआ, मासी बन जाना
गलती होने पर
पड़ोसियों से भी मुँह छिपाना
बहुत याद आते हैं वो दिन

दिवाली पर सभी को
नए कपड़े दिखाकर इतराना
होली के रंगीन रंगों को
खुद पर ही लगाना
पतंग के साथ साथ खुद
को आसमान में उड़ते देखना
अपने हाथों की राखियों को
गिनना व सबसे ज्यादा बताना
बहुत याद आते हैं वो दिन

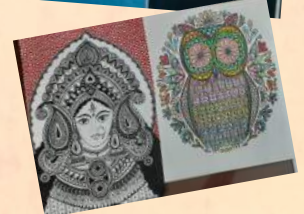
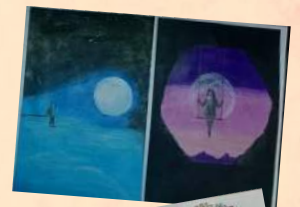
- Nirmala Mittal



Amitabh & Beena Agarwal

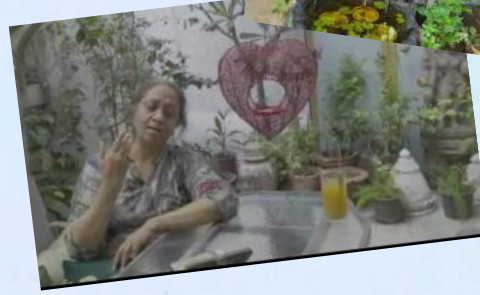
Highlight of the Lockdown was the memorable Mother's Day celebration. A proper restaurant style 4-course meal was planned by Sayali, Mayank and Tanisha, along with a beautiful invite and a perfectly curated menu. A lip smacking eggless mango cake completed the meal. Our sweet perfectionist daughters paid close attention to every detail, making it a fabulous experience

Amazing Artwork by Drishti and Dev, children of Prashant and Reshu Agarwal



Lalita Agarwal

कहावत है “हम भले हमारा घर भला”, जो lockdown में सार्थक होती नज़र आयी। सच में there are so many things to do at home, just thought to make the most of it. Where to start, wanted to do so many things at the same time - organize my home, I love gardening, singing, so must do something for self too. Men at home, so had to do something for them also. Not to prove that the way to a man's heart is through his stomach, but yes, wanted to keep them happy, so did little bit of all.



RR &
Sushila
Pittie

बगिया में महकते फूल
घर में चहकते बच्चे
जो संग संग बीते
वो ही पल सबसे अच्छे



शहर की मेम
बन गयी गाँव की गोरी
नदी किनारे धुल रहे कपड़े
चूल्हे पे बन रही रोटी



At our Farmhouse
- Chander &
Anju Saraogi



Monika Agarwal

Some sketching...
Some painting...
and lots of baking!





Shyam Sunder
Agarwal

During lockdown I have done Art of living online course of 4 days and attended Sudarshan Kriya session everyday, motivated by our club member Sunil Poddar. Also thinking of doing advance meditation course now. Enjoying the benefits of lockdown.



Authentic
Pedas
by
Ravi
Patodia



There is immeasurable power in prayers. Abha Choudhary conducted regular prayer meetings on Zoom



Barbecue at Lawns
Again with Kids



Thanda - Thanda
Cool Cool
With Grand Children



Celebrating
Mother's Day
In a Unique Style



Wah Ustaad



Mile Sur
Hamara -Tumhara

Mohan & Renu Agarwal

Ajay & Archana Padia

Lots of cooking, playing games,
shopping, exercising and also
anniversary celebrations!



Ranu Singhania



Lots of social service during lockdown - distributed PPE kits to Sasoon and PMC under the Rotary Banner. Also played online tambola with family and friends and enjoyed movies on Netflix.

Santosh & Shashi Agarwal



हमने Lockdown में बहुत कुछ किया। मेरी पोती अनाया का 10th Birthday मनाया जिसमें उसका frock, cake, नमकीन, मिठाई - सब कुछ घर में ही बनाया। हम लोग रोज़ 'रामायण' देखते थे। Swimming, walking, badminton, yoga - सब करते थे हम... Cooking भी बहुत की। बच्चों के साथ चुस्की गोला बना कर खाने में बड़ा मज़ा आया।

Deepak & Dolly Gupta

We distributed about 2,500 reusable cloth masks & 200 strips of Vitamin-C tablets to different police stations, policemen sitting at different pickets, security persons of many societies and other persons walking without masks.



कुछ पुराने शौक



Sushil & Shalu Agarwal



कुछ घर के काम



बंद पड़ी factory
में फूलों की बहार

Lockdown के कारण परिवारों में आपसी नज़दीकियाँ बढ़ी हैं। घर की गृहिणियों को अपना cooking talent दिखाने का मौका मिला। जो बच्चे बाहर के खाने के बिना नहीं रह पाते थे उन्हें घर के खाने की value समझ आ रही है। घर व्यवस्थित हो रहे हैं। Corona का पता नहीं पर lockdown ने जिंदगी का एक neglected पहलू सामने रख दिया है।

Meenu Goel



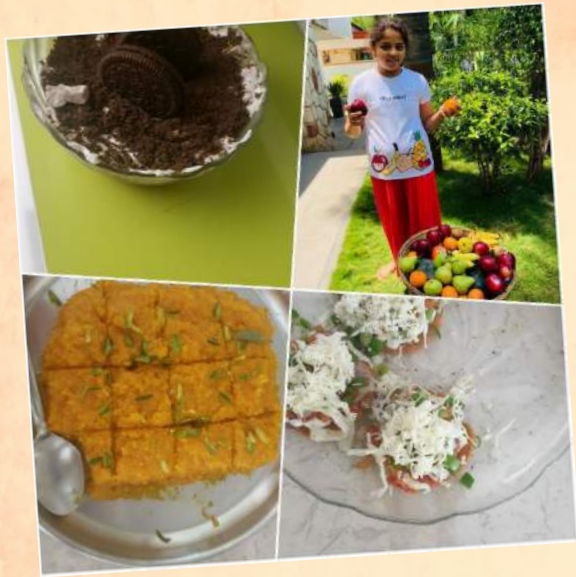
Lockdown ने जीवन को सही समझने और जीने की प्रेरणा दी है, खुशियाँ हमारे अंदर और आस पास ही हैं !

Purnendu Goel



Growing plants, nurturing them, watching them flourish is Maya Gupta's passion





कशीदाकारी, कौड़ियों से खेलना,
puzzles बनाना, games खेलना, अलग
अलग तरह के व्यंजन बनाना - कितना
कुछ था करने को !

Madhu Poddar



Makhan Agarwal

We always complain that we have no time. Now as God has given us ample time, we don't have a chance to complain. I have done "Art of living" happiness and advance, both the courses during this period and also learnt Excel. I teach yoga to my grand-daughters, and play games with them. Our bonding has definitely improved. I am holding various meetings and attending a lot of web seminars. It was a good experience to be at home for such a long time and I never got bored.

Mukesh & Vandana Kanodia

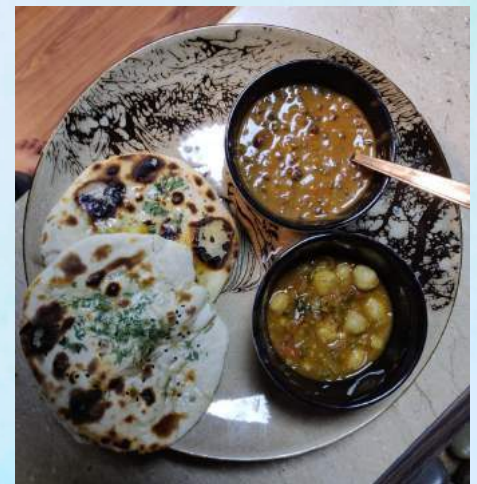


थोड़ा नाचना, थोड़ा गाना, थोड़ी मस्ती और ढेर सारा खिलखिलाना

Rajesh & Pritee Gupta

Being a foodie, during lockdown we rediscovered the culinary skills which we wanted to try for years. We successfully made Amritsari Pindi Chole with stuffed Naan, Dal Makhani, Mutter Paneer in Delhi style and Banarsi Dum Aloo.

In desserts we tried Lauki Halwa for the first time. In this pandemic we have acquired the confidence in making restaurant style food at home which will stay with us throughout our life.



Anupam & Puja Jindal

Being locked down at home - it was kind of fun even amidst all the panic outside, probably because we were all together! We painted, we cooked, we worked on 'Uday', we had our private dance parties, movie nights, photo shoots... In spite of regular work and household chores, there was so much else to do! From morning workouts to evening chai at sunset, these were some of the best days spent together as family...



Surendra & Anju Tulsyan

Played a lot of task-oriented online games with family and friends



Lock Down, Lock Down, Lock Down

मुझे तो अभी तक इसका मतलब ही नहीं समझा क्योंकि इतनी ऐश की जिदगी चल रही है। किसी को कहीं जाना नहीं कहीं आना नहीं, कोई office के टिफिन की गड़बड़ नहीं, कोई बाइयों से बहस करने की तकरार नहीं। अब तो ऐसा हाल है, बहुएँ भी office नहीं जा रही हैं तो रोज़ नए पकवान खाने मिल रहे हैं।



दोपहर को पहले थोड़ा आड़ा टेढ़ा होते थे वो ज़रूर बंद हो गया, उस समय बच्चों के साथ बैठकर ताश, sequence, skipbo, scrabble etc. - full family bonding हो रही है। रोज़ zoom पर कोई न कोई meeting attend कर रहे हैं तो कभी Duo पर पीहर वालों से, friends से गपशप कर रहे हैं। सबसे ज्यादा creativity video बनाने में जा रही है।



हर चार दिन में किसी न किसी का message आ जाता है anniversary या birthday wishes करने के लिए please make a family video and send as soon as possible। मेरा व देव का तो ठीक है चलो बना लिया, पर बच्चे तो every time तैयार होने चाहिए न video बनाने के लिए। और तो और दो जोड़ी कपड़े में काम हो रहा है रोज़ धोवो रोज़ पहनो, घरखर्ची में तो बस saving ही saving हो रही है, गैस cylinder ज़रूर 15 दिन में ख़त्म हो रहा है, नित नये पकवान जो बन रहे हैं। हाँ लेकिन जल्दी सुबह 5:30 बजे उठना हमारा वैसे ही है, 6 बजे सुबह mask लगाकर चले हम दोनों walk पर, रास्ते में चीं का कागला भी नहीं। इतनी fresh air कि क्या बतायें, फिर zoom पर yoga, Coronavirus से बचने के लिए immunity जो बढ़ानी है। Lockdown में हमने चाय में चीनी लेना ज़रूर छोड़ दिया है। हाँ अब लिखते लिखते यह समझ आया कि life कितनी simple व सरल है, हम ही लोग इसको complicate करते हैं फिर खुशियाँ घर के बाहर ढूँढते हैं। Happiness तो घर में ही है, घर में भी जी भर कर जिया जा सकता है। बशर्ते की आप positive attitude रखो।

Take care...Love Always
Meena Dev Pittie

Welcome to the Agarwal Club Family...



Pradip Saraogi

Newly Inducted
Member

Pradip Saraogi completed his schooling in Darjeeling, graduated from St. Xavier's, Kolkata and did Business Management from IMM Kolkata.

He is promoter and owner of OSI Steel (dealing in Japanese & Korean Steel) and Vinira Solutions LLP (dealing in renewable energy products).

Pradip is happily married to Sangita and they are blessed with daughter Dipti and son Rahul. He believes in "What the mind of a man can conceive - it can achieve".

He likes dance and music, and loves to travel and watch movies. For Pradip, the guiding force in life is his competitive spirit which says "If you can do it, I can do it better".

Welcome to the Agarwal Club Family...



Punit Tulsyan

Newly Inducted
Member

Punit Tulsyan is into manufacturing of packaging products.

He is married to Swati who is a dedicated house wife. They are blessed with daughter Anshika (17 yrs) and son Mohak (14 yrs).

Punit's motto in life is "Keep patience and carry on with life".

He likes to do something creative in his free time and also loves travelling and socialising. His guiding force is "To do the best in whatever I do".

Board Meeting



Board meeting of the Club was conducted on 10th June, Wednesday. The board members got together on Zoom and discussed regarding what online event can be conducted, considering the COVID-19 restrictions. Quite a few ideas sprang up and president Rupesh Gupta asked the board to further develop those ideas and come up with some event.



Coming Up...

As kids we all loved to listen to stories...we still do...only the stories are a bit different now! Let's enjoy this beautiful session by **Chetan Shetty** - a master storyteller, on 27th June, Saturday at 6:30 pm!

आ



June 2020

Lockdown will be over soon
But don't forget what you've learnt
Don't forget the times you've spent



Monika Agarwal

This is all for this issue
Stay tuned for the next!

MONIKA